आइलैंड हॉपिंग

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

लेखक -राजीव भाटिया (पूर्व राजदूत)

22 दिसंबर, 2018

"मालदीव के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के बाद, अब नई दिल्ली को अपने हिंद महासागर के क्षेत्र को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।"

पिछले हफ्ते नई दिल्ली में अपनी पहली विदेश यात्रा पर, मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में, इब्राहिम मोहम्मद सोलिह काफी सहज दिखे। अपनी नई जिम्मेदारियों को संभालने के एक महीने बाद श्री सोलिह ने नई दिल्ली को आश्वासन दिया है कि मालदीव 'इंडिया फर्स्ट' की नीति पर जोर दे रहा है।

इन्होंने अपने पूर्ववर्ती अब्दुल्ला यामीन के पांच साल के लंबे कार्यकाल को भारत के साथ संबंधों में एक गंभीर गिरावट के रूप में चिह्नित किया है, क्योंकि श्री यामीन ने अपने राष्ट्र को अधिनायकवाद की ओर ले जाने में और चीन के साथ घनिष्ठता बढ़ाने में ज्यादा ध्यान दिया था।

अलग दृष्टिकोण

श्री सोलिह की सरकार ने एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है अर्थात् एक विकेन्द्रीकृत और लोक-केंद्रित शासन। भारत अपने विश्वदृष्टि में एक विशेष स्थान का आनंद उठा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत हमारा निकटतम पड़ोसी है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने भी ट्वीट कर के कहा कि "भारत मालदीव के साथ अपने संबंधों को सबसे अधिक महत्व देता है।"

श्री सोलिह की यात्रा के दौरान जारी किया गया संयुक्त वक्तव्य दोनों देशों के हितों के बीच एक अच्छे संतुलन को दर्शाता है। मालदीव को बजट घाटे और विकास से संबंधित चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए, भारत ने 1.4 बिलियन डॉलर का सहायता पैकेज तैयार किया है। हालाँकि, इसके लिए क्या अवधि होगी, वह अभी उपलब्ध नहीं है। हालाँकि, हम जानते हैं कि इतनी अधिक धनराशि का उपयोग लोगों के लिए अनुकूल परियोजनाओं के लिए चार क्षेत्रों में किया जा सकता है अर्थात् स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पानी और स्वच्छता।

इसके अलावा, भारत ने वीजा की सुविधा की भी पेशकश की है जो मालदीव को आसानी से भारत आने-जाने की अनुमति देगा (मालदीव के लिए भ. ारतीय आगंतुकों के लिए पारस्परिक सुविधाओं के साथ), अगले पांच वर्षों के लिए 1,000 अतिरिक्त प्रशिक्षण स्लॉट, राजनीतिक और राजनयिक मुद्दों पर निकट सहयोग और मालदीव को समर्थन के रूप में राष्ट्रमंडल और भारतीय महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) में अपनी प्रविष्टि को फिर से शामिल करना चाहता है। इस यात्रा के परिणामस्वरूप सूचना प्रौद्योगिकी, संस्कृति, कृषि-व्यवसाय और वीजा व्यवस्था के लिए सहयोग से संबंधित चार समझौतों पर सहमति दी गयी है।

माले में नई सरकार ने भी भारत की सुरक्षा और रणनीतिक चिंताओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील होने का आश्वासन दिया है, जो उन रिपोर्टों के आधार पर आया है जिसमें चीन ने सैन्य उद्देश्यों के लिए एक या एक से अधिक द्वीपों तक पहुंच बना ली है।

इस आधार पर कि दोनों देशों के सुरक्षा हित परस्पर जुड़े हुए हैं, भारत और मालदीव क्षेत्र की स्थिरता के लिए एक-दूसरे की चिंताओं और आकांक्षाओं के प्रति सचेत रहने के लिए सहमत हुए हैं। दोनों सरकारें अब हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए योजना बना रही हैं। नई दिल्ली यह उम्मीद कर रहा है कि भारतीय नौसेना और तटरक्षक अब समन्वित गश्त, हवाई निगरानी और क्षमता निर्माण के लिए मालदीव से बेहतर सहयोग प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

इसके अलावा, खुफिया एजेंसियों को आतंकवाद और अन्य गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने में बेहतर सहयोग का पोषण करने की उम्मीद है। यह देखते हुए कि कट्टरता वहां एक जीवंत मुद्दा है, यह काफी महत्वपूर्ण लगता है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि मालदीव के नौजवानों की एक बड़ी संख्या का सीरिया में इस्लामिक स्टेट में शामिल होने की खबर सुर्खियों में है।

देश की छोटी आबादी को देखते हुए, द्विपक्षीय संबंधों का व्यापार और निवेश एक मामूली प्रकृति का है। द्विपक्षीय व्यापार का वार्षिक मूल्य 200 मिलियन डॉलर है। देखा जाये तो दिसंबर 2012 में एक निजी भारतीय फर्म का अनुबंध अनौपचारिक ढंग से रद्द कर दिया गया था, लेकिन इन सब बातों को भूल कर, भारतीय कंपनियों को मालदीवियन बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए सक्रिय होने की जरूरत है। श्री सोलिह ने एक व्यवसायिक कार्यक्रम में भाग लेकर अच्छा संकेत दिया है। इनका संदेश स्पष्ट था: 'मालदीव फिर से व्यापार के लिए खुला है।'

हिंद महासागर का दांव

दिल्ली में विचार-विमर्श हुआ क्योंकि दक्षिण एशिया में चीन के पदचिह्न हाल के वर्षों में बढ़े हैं। हालाँकि, हम सभी जानते है कि बीजिंग के रणनीतिक उद्देश्यों, आर्थिक क्षमता और मुखर कूटनीति के कारण, भारत द्वारा पड़ोसी देशों में चीन के दबदबे को कम करना उतना आसन नहीं है, जितना हम इसे समझ रहे हैं। लेकिन भारत के पास अपने फायदे हैं अर्थात् संपत्ति और दोस्त। इसका उद्देश्य उनके बाहरी संबंधों में संतुलन बनाए रखते हुए पड़ोसियों की आवश्यकता से लाभ प्राप्त करना है।

मालदीव में परिवर्तन का श्रीलंका में लोकतांत्रिक आवेगों के पुन: जोर के रूप में पालन किया गया है, जो हमें प्रधानमंत्री के रूप में रानिल विक्रमसिंघे की वापसी के रूप में दिखता है। भारत का मॉरीशस और सेशेल्स के साथ घनिष्ठ संबंध है। भारत, मालदीव, श्रीलंका, मॉरीशस और सेशेल्स का एक नया समूह, जो समुद्री सुरक्षा और आर्थिक विकास पर केंद्रित है, अल्पावधि में संभव दिखता है।

मार्च, 2015 में श्री मोदी द्वारा घोषित की गई रणनीति, जिसे सभी क्षेत्रों के लिए सागर (SAGAR) या सुरक्षा और विकास को लागू करने के लिए एक स्मार्ट एक्शन प्लान तैयार करने में, नई दिल्ली को अपने दो प्रमुख लक्ष्यों के बराबर महत्व देना चाहिए: अपने पड़ोसियों को संबोधित करें, सुरक्षा चुनौतियों पर चिंता और ब्लू इकोनॉमी के लिए लुभावना अवसर। यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य राष्ट्र, जिनके राष्ट्रपति अगले साल जनवरी में भारत की यात्रा पर आने वाले हैं और केन्या, जो हाल ही में टिकाऊ ब्लू अर्थव्यवस्था पर पहले वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी से बहुत उत्साहित है, इसमें खुशी-खुशी शामिल हो सकते हैं।

भारत-मालदीव संबंध

चर्चा में क्यों?

- मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह तीन दिवसीय भारत यात्रा पर हैं।
- भारत और मालदीव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद हिंद महासागर में शांति व सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है।
- इसके साथ ही भारत इस द्वीपीय देश को 1.4 अरब डॉलर का ऋण प्रदान करेगा। यह सहायता राशि भारत द्वारा मालदीव को दी जाने वाली सबसे बड़ी राशि है।
- दोनों पक्षों ने संस्कृति सहयोग, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सहयोग, कृषि व्यापार के लिए बेहतर वातावरण बनाने समेत चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

पृष्ठभूमि

- मालदीव के साथ भारत के सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध हैं।
- मालदीव के साथ नई दिल्ली का धार्मिक, भाषाई, सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंध है।
- वर्ष 1965 में आजादी के बाद मालदीव को सबसे पहले मान्यता देने वाले देशों में भारत शामिल था। बाद में भारत ने वर्ष 1972 में मालदीव में अपना दूतावास भी खोला।
- इब्राहिम सोलिह नवंबर, 2018 में मालदीव के राष्ट्रपति बने थे।
- पीएम नरेंद्र मोदी इब्राहिम सोलिह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह को कार्यभार संभालने के बाद उनकी पहली विदेशी यात्रा है।

समझौते से संबंधित मुख्य तथ्य

- भारत अगले पांच वर्षों में मालदीव के नागरिकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए अतिरिक्त 1000 सीटें देने का भी निर्णय किया है।
- दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए भी भारत पूर्ण सहयोग देगा। बेहतर कनेक्टिविटी से वस्तु एवं सेवा, सूचना, विचारों, संस्कृति और लोगों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।
- बातचीत के दौरान दोनों पक्ष हिंद महासागर में सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमत हुए।
- भारत और मालदीव ने समुद्री डकैती, आतंकवाद, संगठित अपराध, मादक पदार्थों और मानव तस्करी समेत सामान्य चिंताओं के विषय पर द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।
- भारत ने दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे, कृषि, क्षमता निर्माण और पर्यटन के क्षेत्र में भागादीरी को मजबूत करने का आह्वान किया।
- दोनों देश के नेताओं ने मत्स्य विभाग, पर्यटन, यातायात, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और संचार के क्षेत्र में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के राष्ट्रमंडल में दोबारा शामिल होने के निर्णय की सराहना की और देश के हिंद महासागर रिम एसोसिएशन में शामिल होने का स्वागत किया।

भारत-मालदीव सम्बन्ध

- भारत और मालदीव के संबंध सामरिक, आर्थिक और सैन्य सहयोग में दोस्ताना और करीबी रहे हैं। भारत ने द्वीप राष्ट्र पर सुरक्षा बनाए रखने में योगदान दिया हैं।
- मालदीव अब कम विकसित देशों की श्रेणी से बाहर निकलकर एक मध्यम आय वाला देश बन गया है।
- भारत सरकार की ओर से मालदीव को दी जाने वाली सहायता की सराहना की और घर और अवसंरचना विकास में निजी क्षेत्र की संलिप्तता, जल व निकासी प्रणाली, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा व पर्यटन क्षेत्र समेत कई क्षेत्रों के विकास में सहयोग के लिए पहचान की।
- मालदीव हिंद महासागर में स्थित 1200 द्वीपों का देश है, जो भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से काफी अहम है। मालदीव के समुद्री रास्ते से निर्वाध रूप से चीन, जापान और भारत को एनर्जी की सप्लाई होती है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. हाल ही में भारत द्वारा मालदीव को भारतीय महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) में शामिल करने की बात की जा रही है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

   1. IORA 20 देशों का संगठन है।
   2. IORA का उद्देश्य सदस्य देशों के व्यापारिक समूहों, शैक्षणिक संस्थाओं तथा विद्वानों एवं जनता के मध्य अंत: क्रिया को प्रोत्साहित करना है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: हाल के वर्षों में मालदीव और भारत के द्विपक्षीय सम्बंधों में आए विविध आयामों का विश्लेषण कीजिए। यह किस प्रकार भारत के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं? (250 शब्द)

नोट : 21 दिसम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(b) होगा।